साप्ताहिक विच्छेदित पाठ्यक्रम 2023-24

CLASS - 12 SUBJECT - HINDI CORE

माह	सप्ताह	पाठ का नाम	कालांश	अधिगम प्रतिफल
जून 2023	सप्ताह-01,02 और 03	आरोह भाग-2 गद्य खंड 11.महादेवी वर्मा-भक्तिन	5	भक्तिन ● छलछद्म भरे समाज में स्त्री-अस्मिता के संघर्ष को जानना ● नारी के संघर्ष, स्वाभिमान एवं कर्मठता से परिचित होना ● पितृसत्तात्मक मान्यताओं के छल को पहचानना संस्मरणात्मक शिल्प में रेखाचित्र विधा से परिचित होना
	सप्ताह-03, 04 और 05	काव्य खंड 01. हरिवंश राय बच्चन-आत्म परिचय दिन जल्दी-जल्दी ढलता है	6	आत्म परिचय, दिन जल्दी-जल्दी ढलता है ● सामाजिक एवं भावात्मक संतुलन बनाना ● विरोधी स्थितियों में सामंजस्य स्थापन की क्षमता का विकास ● प्रेम की मस्ती को पहचानना ● ऊद्देश्यपूर्ण जीवान की सार्थकता को जानना ● समय की गतिशीलता में विविध मनोभावों से परिचय ● हालवादी कविता एवं गीत शैली को जानना कविता के विधान एवं काव्य –सौन्दर्य के तत्वों से परिचय
	सप्ताह-01 और 02	आरोह भाग-2 काव्य खंड 02. आलोक धन्वा-पतंग रचनात्मक लेखन निबंध लेखन	4 2	पतंग ● बच्चों के सपनों की रंग-विरंगी दुनिया एवं उसमें बालसुलभ उमंगों के महत्व को जानना ● गिरकर संभलना सीखना एवं उसे व्यक्तित्व विकास का हिस्सा बनाना ● प्रकृति में परिवर्तन के विभिन्न बिंबों की ऐंद्रिय अनुभूति प्राप्त करना लंबी कविता के विधान से परिचित होना

जुलाई	सप्ताह- 03	आरोह भाग-2 गद्य खंड 12.जैनेन्द्र कुमार- बाजार दर्शन	5	बाजार दर्शन ● उपभोक्तावादी संस्कृति की विद्रूपता को पहचानना ● बाज़ार की गुलाम बनाने की जादुई ताकत से सतर्क रहना सीखना ● अपनी आवश्यकताओं को पहचान कर सच्चा उपभोक्ता बनना सीखना ● बाज़ार का पोषण करने वाले अर्थशास्त्र की अनीतियों से परिचित होना किस्सागो शैली की निबंध विधा से परिचित होना
	सप्ताह- 04	वितान भाग-2 1.मनोहर श्याम जोशी- सिल्वर वेडिंग	5	मनोहर श्याम जोशी- सिल्वर वेडिंग ● आधुनिक परिवेश में बदलते जीवन मूल्यों और संस्कारों का ज्ञान प्राप्त करना ● आधुनिकता की होड़ में मनुष्यता को बचाए रखने के मायने क्या है, इसकी समझ विकसित करना ● सांस्कृतिक,सामाजिक, पारिवारिक मूल्यों के महत्व को समझना ● संयुक्त परिवार के संवेदनाओं एवं भावनाओं को बारीकी से समझना ● सांस्कृतिक संरक्षण के लिए स्वस्थ परंपराओं की आवश्यकता का बोध करना ● बदलते समय और परिवेश से सामंजस्य स्थापित करने की जरूरत को समझना ● लंबी कहानी की रचना-प्रक्रिया से अवगत होना
	सप्ताह- 01	काव्य खंड 3.कुंवर नारायण- कविता के बहाने, बात सीधी थी पर	4	कविता के बहाने,बात सीधी थी पर ● कविता के वजूद की तलाश एवं उसपर यांत्रिकता के दबाव को पहचानना ● कविता में शब्दों के खेल के प्रभाव/ दुष्प्रभाव को जानना ● रचनात्मक ऊर्जा एवं अभिव्यक्ति के द्वंद्व को से परिचय ● कविता के प्रयोगवादी शिल्प-विधान से परिचय

अगस्त	सप्ताह- 02	आरोह भाग-2 गद्य खंड 13.धर्मवीर भारती- काले मेघा पानी दे	4	काले मेघा पानी दे ● लोक प्रचलित विश्वास एवं विज्ञान की तार्किकता के द्वंद्व को अनुभव करना ● जनमानस के सांस्कृतिक मन और अंधविश्वास के अंतर को बारीकी से समझना ● विश्वास के आशावादी सामर्थ्य को महसूस करना ● संस्मरण विधा से परिचित होना
	सप्ताह- 03	काव्य खंड 4.रघुवीर सहाय- कैमरे में बंद अपाहिज	4	कैमरे में बंद अपाहिज ● मीडिया पर व्यावसायिकता का दबाव एवं उसके संवेदनहीन व्यापार के यथार्थ से परिचित होना ● दिव्यंगता एवं उससे उत्पन्न मानसिक वेदना को महसूस करना ● मार्मिक कविता के सहज-सरल विधान से परिचित होना
	सप्ताह- 04	काव्य खंड 5.गजानन माधव मुक्तिबोध- सहर्ष स्वीकार है	4	सहर्ष स्वीकार है ● सुख-दुख को सम्यक भाव से स्वीकारने के गुण का विकास ● जीवन में किसी प्रिय आलंबन के होने के अर्थ से परिचित होना ● अति को वर्जित कर जीवन में भूलने के महत्त्व को समझना ● जीवन को परमात्मा की परछाईं स्वरूप जानना नई कविता के प्रयोगवादी शिल्प-विधान से परिचय
	सप्ताह- 05	काव्य खंड 6.शमशेर बहादुर सिंह- उषा	3	उषा ● प्राकृतिक परिवर्तन एवं मानव जीवन की गतिशीलता के बीच अंतर्संबंध से परिचित होना ● सूर्योदय पूर्व प्राकृतिक परिवर्तन की आसमानी नूतनता और धरती के जीवन की हलचल को जानना ● कविता के प्रयोगवादी शिल्प एवं परिवेशगत सजीवता के बिम्बात्मक चित्रण को समझना
	सप्ताह- 02	रचनात्मक लेखन निबंध लेखन	3	

सितंबर	सप्ताह- 04	अभिव्यक्ति और माध्यम संचार, जनसंचार और जनसंचार माध्यम	3	
	सप्ताह- 05	अभिव्यक्ति और माध्यम आलेख लेखन फीचर लेखन संपादकीय रिपोर्ट लेखन	3	
अक्टूबर	सप्ताह- 01	वितान भाग-2 2.आनंद यादव- जूझ	4	आनंद यादव- जूझ ● निम्नमध्यवर्गीय ग्रामीण समाज के किसान- मजदूरों के संघर्ष का ज्ञान प्राप्त करना ● हर स्थिति में पढ़ने की लालसा विकसित करना ● आर्थिक समस्या एवं काम का बोझ व्यक्ति की सफलता में बाधक नहीं हो सकता, इस तथ्य को समझना ● शिक्षा के महत्व को समझना ● साहित्य -सृजन के लिए अवसर की तलाश करने की प्रेरणा पाना
	सप्ताह- 02	काव्य खंड 7.सूर्यकांत त्रिपाठी ‘निराला’- बादल राग	5	बादल राग ● स्वतंत्रता आंदोलन एवं क्रांति –चेतना की समझ विकसित होना ● किसान- मजदूर की आकांक्षाओं एवं उनकी दारुण दशा की पृष्ठभूमि में वंचितों की पक्षधरता की भावना का विकास होना ● नवजीवन की आशा का संचार होना ● मुक्तछंद शिल्प विधान की समझ होना बादल के माध्यम से कविता में प्रतीकों के प्रयोग को जानना

	सप्ताह- 03	वितान भाग-2 3.ओम थानवी- अतीत में दबे पाँव	5	ओम थानवी- अतीत में दबे पाँव ● विश्व फलक पर घटित सभ्यता की सबसे प्राचीन घटना से साहित्यक रुप में परिचित होना ● विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यता की सामाजिक- धार्मिक- राजनीतिक व आर्थिक गतिविधियों का ज्ञान प्राप्त करना ● सबसे अनुशासित और ताकतवर सभ्यता का निर्माण और विकास समाज सापेक्ष होता है, इस तथ्य को समझना ● यात्रा वृतांत और रिपोर्ट की मिश्रित शैली को समझना
	सप्ताह- 04	रचनात्मक लेखन पत्र लेखन	2	
	सप्ताह- 05	अपठित बोध एवं रचना अपठित गद्यांश अपठित पद्यांश	2	
नवंबर	सप्ताह- 02 और 03	अभिव्यक्ति और माध्यम पत्रकारिता और उसके भेद समाचार	4	
	सप्ताह- 04 और 05	आरोह भाग-2 गद्य खंड 14.फणीश्वर नाथ रेणु – पहलवान की ढोलक	5	पहलवान की ढोलक ● आंचलिक सांस्कृतिक जीवन को अनुभूत करना ● लोक कला और कलाकारों की प्रासंगिकता को जानना ● भारत पर इंडिया के हावी से लोक कला के ह्रास को महसूस करना ● भूख एवं महामारी के संकट को समझते हुए वर्तमान स्थितियों के प्रति सतर्क रहना सीखना ● आंचलिक कथा – शिल्प विधान को समझना

दिसंबर	सप्ताह- 01 और 02	काव्य खंड 8. तुलसीदास – कवितावली(उत्तरकाण्ड), लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप	5	कवितावली(उत्तरकाण्ड), लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप ● मध्यकालीन विषमताग्रस्त समाज जीवन के आलोक में वर्तमान प्रासंगिक मुद्दों को जानना ● पेट की आग, गरीबी एवं बेरोजगारी की पीड़ा के यथार्थ को जानना ● समाज हर युग में अपने ऐतिहासिक क्रमिक –विकास के दौरान भेदभावमूलक रहा है। इस सत्य को समझते हुए प्रगति के प्रति आशान्वित रहना ● भाई के प्रति प्रेम एवं शोक से उपजे प्रेमालाप को निजी सम्बन्धों में महसूस करने की भावना का विकास ● करुण परिस्थिति में भी उत्साह का बीज निहित रहता है, इस सत्य से अवगत होना ● हिन्दी की सहधर्मिणी अवधी एवं ब्रज जैसी पूर्वी एवं पश्चिमी हिन्दी की भाषाओं के योगदान एवं माधुर्य को जानना ● दोहा, चौपाई ,सवैया आदि छंदों से परिचित होना काव्य सौन्दर्य के तत्वों से परिचित होना
	सप्ताह- 03	आरोह भाग-2 गद्य खंड 15.विष्णु खरे- चार्ली चैपलिन यानी हम सब	4	चार्ली चैपलिन यानी हम सब ● विश्व-साहित्य और विश्व-सिनेमा के समानान्तर विकास को समझना ● अभिनेता के भीतर छिपे इंसान को जानना ● करुणा और हास्य के सामंजस्य से बने चार्ली चैपलिन के व्यक्तित्व से परिचित होना ● कला की स्वतंत्रता के प्रति जागरुक होना ● सिनेमा-लेखन की वैचारिकता से परिचित होना

	सप्ताह- 04	आरोह भाग-2 गद्य खंड 16.रज़िया सज्जाद ज़हीर- नमक	4	नमक ● भारत-पाकिस्तान बँटवारे से उपजी विभाजन की वास्तविकता एवं पीड़ा से परिचित होना ● विस्थापित दिलों में अपने वतन के प्रति प्रेम भावना को महसूस करना ● दिल के रिश्ते को मजहब की दीवार से बड़ा समझना ● कहानी कला के शिल्प-विधान से परिचित होना
	सप्ताह- 01 और 02	आरोह भाग-2 गद्य खंड 17.हजारी प्रसाद द्विवेदी- शिरीष के फूल	4	शिरीष के फूल ● मानव की अजेय जिजीविषा को जानना ● देहबल से ऊपर अपने आत्मबल को महत्व देना ● मध्यकालीन सामंती वैभव के खोखलेपन से परिचित होना ● कठोर संघर्ष के बीच भी कर्तव्यनिष्ठ होकर निरंतर प्रगति की प्रेरणा पाना ● प्रतिनिधि ललित निबंध के विधान से परिचित होना
	सप्ताह- 03	वितान भाग-2 4.ऐन फ्रैंक – डायरी के पन्ने	4	ऐन फ्रैंक – डायरी के पन्ने ● विश्व के ऐतिहासिक दौर के जीवंत दस्तावेज से परिचित होना ● युद्ध की विभीषिका एवं दुष्परिणाम को जानना ● स्त्री जीवन की पीड़ा की समझना ● युद्ध की पीड़ा से गुजरे इंसानों के निजी सुख-दुख और भावनात्मक उथल-पुथल की अनुभूति करना ● गद्य विधा की डायरी शैली के रचनात्मक तत्वों को समझना

जनवरी 2024	सप्ताह- 04	काव्य खंड फ़िराक गोरखपुरी – रुबाइयाँ, ग़ज़ल	3	रुबाइयाँ, ग़ज़ल ● वात्सल्य की सरलता में रिश्तों के मर्म को महसूस करना ● 'रक्षाबंधन' के बहाने भाई-बहन के बीच मीठे बंधन की आत्मीयता एवं पर्वों के सामाजिक, सांस्कृतिक तथा भावात्मक महत्त्व को जानना ● शायर की ठशक तथा रचनाकार के रूप में उसके अन्तर्मन के दर्द को समझना ● हिन्दी-समाज एवं उर्दू –परंपरा के आंतरिक संबंध से परिचित होना ● रुबाई एवं गजल शिल्प-विधान से परिचय
	सप्ताह- 05	आरोह भाग-2 काव्य खंड 10.उमाशंकर जोशी- छोटा मेरा खेत, बगुलों के पंख	3	छोटा मेरा खेत, बगुलों के पंख ● रस की अलौकिकता एवं कवि-कर्म की चरणबद्ध प्रक्रिया की समझ विकसित होना ● सब कुछ समय की सीमा में बंधा है, लेकिन कविता समयातीत है; इस सत्य से अवगत होना ● सौंदर्य के वस्तुगत एवं आत्मगत दोनों स्वरूपों में समन्वय की कला का विकास ● नयनाभिराम प्रकृतिक दृश्यों को महसूस करना ● कविता के शिल्प-विधान से परिचित होना
फरवरी	सप्ताह- 01 और 02	आरोह भाग-2 गद्य खंड 18. बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर श्रम विभाजन और जाति-प्रथा, मेरी कल्पना का आदर्श समाज	4	श्रम विभाजन और जाति-प्रथा, मेरी कल्पना का आदर्श समाज ● समानता, स्वतंत्रता और बंधुता के संवैधानिक मूल्यों की प्रासंगिकता से परिचित होना ● जातिगत द्वेष की विषाक्तता को गहराई से समझना ● जातिप्रथा के सामाजिक –राजनीतिक दुरुपयोग को समझना ● श्रम विभाजन की खामियों से परिचित होना ● आदर्श समाज की परिकल्पना को जानना ● भाषण-कला शिल्प विधान को समझना

	सप्ताह- 03 और 04	पुनरावृत्ति		
मार्च		पुनरावृत्ति		